Easy Notes 4u Online Study

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2021

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली)

विश्लेषण सहित व्याख्या

(परीक्षा तिथि : 26.12.2021)

समय : 3 घण्टा] [पूर्णांक : 200

1. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची -II
A. राजशेखर	1. साहित्य दर्पण
B. भट्ट नायक	2. अभिनव भारती
C. विश्वनाथ	3. हृदय दर्पण
D. अभिनव गुप्त	4. काव्य मीमांसा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	4	3	1	2
(c)	1	2	3	4
(d)	2	4	3	1

Ans. (b) : ग्रंथ एवं रचनाकार का सही सुमेलन इस प्रकार है–

ग्रंथ	रचनाकार
राजशेखर	काव्य मीमांसा
भट्टनायक	हृदय दर्पण
विश्वनाथ	साहित्य दर्पण
अभिनव गुप्त	अभिनव भारती

2. निम्नलिखित में से नंददुलारे वाजपेयी के संबंध में सही हैं

1. नंददुलारे वाजपेयी ने प्रसाद, पंत और निराला को छायावाद की वृहत्त्रयी के रूप में प्रतिष्ठित किया।
2. नंददुलारे वाजपेयी ने रामचंद्र शुक्ल की लोकमंगलपरक आलोचना दृष्टि का समर्थन किया।
3. नंददुलारे वाजपेयी छायावादी अथवा स्वच्छंदतावादी आलोचक थे।
4. नंददुलारे वाजपेयी छायावाद के रागात्मक प्रभाव से अप्रभावित हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (b) : नंददुलारे वाजपेयी के संबंध में सही कथन है–
1. नंददुलारे वाजपेयी ने प्रसाद, पंत और निराला को छायावाद की वृहत्त्रयी के रूप में प्रतिष्ठित किया।
3. नंददुलारे बाजपेयी छायावादी अथवा स्वच्छंदतावादी आलोचक थे।

3. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची -II
A. अन्धेर नगरी	1. लोकनाट्य शैली
B. अंधा युग	2. समस्यामूलक नाटक
C. ध्रुवस्वामिनी	3. प्रहसन
D. आगरा बाज़ार	4. गीति नाट्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	4	1	3	2

Ans. (b) : नाटकों एवं नाट्य शैलियों का सही सुमेल है–

नाटक	नाट्यशैली	नाटककार
अन्धेर नगरी	प्रहसन	भातेन्दु हरिश्चन्द्र
अन्धायुग	गीतिनाट्य	धर्मवीर भारती
ध्रुवस्वामिनी	समस्यामूलक नाटक	जयशंकर प्रसाद
आगरा बाज़ार	लोकनाट्य शैली	हबीब तनवीर

4. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं, निबंध हजारीप्रसाद द्विवेदी के किस निबंध-संग्रह में है?

(a) अशोक के फूल
(b) कल्पलता
(c) कुटज
(d) आलोक पर्व

Ans. (b) : 'नाखून क्यों बढ़ते है' निबंध हजारीप्रसाद द्विवेदी के 'कल्पलता' (1951 ई.) निबंध-संग्रह में संगृहीत है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अन्य निबन्ध हैं– अशोक के फूल (1948 ई.), कुटज (1964 ई.), आलोक पर्व (1972 ई.), साहित्य सहचर (1965 ई.), विचार और वितर्क (1957 ई.), विचार प्रवाह (1959 ई.)। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने निबंध को "व्यक्ति की स्वाधीन चिन्ता की उपज कहा है।"

5. 'बादल को घिरते देखा है' कविता से संबंधित सही तथ्य हैं:

1. नागार्जुन को कालिदास के मेघ का पता-ठिकाना मालूम था।
2. नागार्जुन का बादल कल्पना-प्रसूत नहीं है।
3. इसमें उज्जयिनी के जीवन का यथार्थ वर्णन किया गया है।
4. इसमें किन्नर-किन्नरियों के स्वच्छंद जीवन के अनुभूत्यात्मक चित्र हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3
(b) 1 और 2
(c) 1 और 4
(d) 2 और 4

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (d) : 'बादल को घिरते देखा है' कविता से संबंधित सही तथ्य विकल्प 2 और 4 हैं। नागार्जुन का बादल कल्पना-प्रसूत नहीं है। इसमें किन्नर-किन्नरियों के स्वच्छंद जीवन के अनुभूत्यात्मक चित्र हैं। नागार्जुन को प्रगतिवाद का शलाका पुरुष कहा जाता है। ये राजनीतिक कवि के रूप में भी जाने जाते हैं। डॉ. बच्चन सिंह ने नागार्जुन की कविताओं को 'नुक्कड़ कविता' की संज्ञा दी है। बाबा नागार्जुन को आधुनिक हिन्दी साहित्य का 'कबीर' कहा जाता है। इन्होंने 'मैथिली भाषा' में 'पत्रहीन नग्न गाछ' शीर्षक से काव्य लिखा, इसमें 52 कविताएँ संकलित हैं। इस कृति पर इन्हें सन् 1968 ई. में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। ये संस्कृत और मैथिली में 'यात्री', उपनाम से कविता लिखते थे। इनका मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था।

6. **निम्नलिखित में से भोजराज की पुस्तक है:**

(a) अभिनव भारती (b) व्यक्ति विवेक
(c) काव्य कौतुक (d) शृंगार प्रकाश

Ans. (d) : भोजराज की पुस्तक का नाम 'शृंगार प्रकाश' है। इनका अन्य ग्रंथ 'सरस्वती कण्ठाभरण' है, इनका समय 11वीं शती और जन्मस्थान मालवा है। 'अभिनव भारती' आचार्य अभिनव गुप्त की टीका है, इसे नाट्यवेद विवृत्ति भी कहा जाता है। 'व्यक्तिविवेक' महिमभट्ट (राजानक) की पुस्तक है इनका समय 11वीं शती का पूर्वार्द्ध एवं जन्म स्थान 'कश्मीर' है। 'काव्य कौतुक' भट्टतौत का ग्रंथ है जिस पर अभिनव गुप्त ने 'काव्य-कौतुक-विवरण' नाम से टीका लिखा है।

7. **घनानंद की कविता से संबंधित सही तथ्य हैं**

1. घनानंद ने वियोग व्यथा की सैकड़ों अन्तर्दशाओं के मार्मिक चित्र खींचे हैं।
2. घनानंद ने सिर्फ कवित्त-सवैयों की रचना की है।
3. घनानंद के यहाँ प्रेम का विषय सांसारिक प्राणी भी हो सकता है और परमेश्वर भी।
4. घनानंद की कविता अभिधामूलक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (b) : घनानंद की कविता के संदर्भ में सही तथ्य है– घनानंद ने वियोग व्यथा की सैकड़ों अन्तर्दशाओं के मार्मिक चित्र खींचे हैं तथा घनानंद के यहाँ प्रेम का विषय सांसारिक प्राणी भी हो सकता है और परमेश्वर भी।

8. **सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:**

सूची-I	सूची -II
A. शकटार	1. अन्धेर नगरी
B. महाराष्ट्री	2. स्कन्दगुप्त
C. धातुसेन	3. भारत-दुर्दशा
D. गोवर्धनदास	4. चन्द्रगुप्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(c)	3	1	4	2

	A	B	C	D
(b)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (d) : सही मिलान इस प्रकार है–

पात्र	नाटक	लेखक
शकटार	चन्द्रगुप्त	जयशंकर प्रसाद
महाराष्ट्री	भारत-दुर्दशा	भारतेन्दु
धातुसेन	स्कन्दगुप्त	जयशंकर प्रसाद
गोवर्धनदास	अन्धेर नगरी	भारतेन्दु

9. **प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है–**

1. अजातशत्रु
2. ध्रुवस्वामिनी
3. राज्यश्री
4. स्कन्दगुप्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए

(a) 4, 2, 1, 3 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 3, 1, 4, 2

Ans. (d) : जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है– राज्यश्री (1915 ई.), अजातशत्रु (1922 ई.), स्कन्दगुप्त (1928 ई.), ध्रुवस्वामिनी (1933 ई.)।
जयशंकर प्रसाद के अन्य नाटक– सज्जन (1910 ई.), कल्याणी परिणय (1912 ई.), करुणालय (1912 ई.), प्रायश्चित (1913 ई.), विशाख (1921 ई.), जनमेजय का नागयज्ञ (1926 ई.), कामना (1927 ई.), एक घूँट (1930 ई.), चन्द्रगुप्त (1931 ई.) है।

10. **नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:**

अभिकथन (A) : फ्रायड मानते हैं कि कवि मनोरोगी होता है।

कारण (R) : क्योंकि मनुष्य मात्र मनोरोगी है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (a) : उपरोक्त कथन के आलोक में, दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

11. **'मेरी तिब्बत यात्रा' की भाषा-शैली की विशेषताएँ क्या हैं–**

1. भावपरक
2. संस्कृतनिष्ठ, तर्कपूर्ण
3. युगविशेष का आभास देने वाली
4. चिंतनप्रधान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 1 और 4 (d) 3 और 4

Scanned with CamScanner

Ans. (a) : 'मेरी तिब्बत यात्रा' की भाषा शैली की विशेषता- संस्कृतनिष्ठ, तर्कपूर्ण एवं युगविशेष का आभास देने वाली है। 'मेरी तिब्बत यात्रा' सन् 1937 ई. में राहुल सांकृत्यायन ने यात्रा साहित्य के रूप में लिखा।

12. 'शिवशंभु के चिट्ठे' किसको संबोधित है?

(a) वारेन हेस्टिंगज (b) लॉर्ड रिपन
(c) लॉर्ड क्लाइव (d) लॉर्ड कर्जन

Ans. (d) : 'शिवशंभु के चिट्ठे' लार्ड कर्जन को संबोधित है। बालमुकुन्द गुप्त ने सन् 1904-05 ई. में 'भारत मित्र' पत्रिका में 'शिवशंभु के चिट्ठे' शीर्षक से तत्कालीन गवर्नर जनरल 'लार्ड कर्जन' को संबोधित करके इस निबंध को लिखा।

13. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के पात्र हैं:

1. राजकुमारी चन्द्रदीक्षित
2. सुचरिता
3. पत्रलेखा
4. ऋतंभरा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (a) : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के पात्र राजकुमारी चन्द्रदीक्षित और सुचरिता हैं। 'बाणभट्ट की आत्मकथा' (1946 ई.) उपन्यास आचार्यहजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखा गया, जिसके अन्य पात्र-बाणभट्ट, निपुणिका (निउनिया) है। प्रेम का उदातीकरण एवं हर्षकालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं सांकृतिक स्थिति का चित्रण किया गया है।

14. निम्नलिखित में से कमलेश्वर के कहानी संग्रह हैं:

1. बिरादरी बाहर
2. राजा निरबंसिया
3. ठसक
4. कस्बे का आदमी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (b) : कमलेश्वर के कहानी संग्रह 'राजा निरबंसिया' (1957 ई.) और 'कस्बे का आदमी' (1958 ई.) है। कमलेश्वर के अन्य कहानी संग्रह- खोई हुई दिशाएँ (1963 ई.), मांस का दरिया (1966 ई.), बयान (1973 ई.), आजादी मुबारक (2002 ई.) आदि हैं।

15. 'परिदें' कहानी के पात्र हैं–

1. रिचर्ड
2. डॉक्टर मुकर्जी
3. रामधन
4. मिस्टर ह्यूबर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (c) : 'परिदे' कहानी के पात्र 'डॉक्टर मुखर्जी' और 'मिस्टर ह्यूबर्ट' हैं। 'परिदे' (1960 ई.) कहानी संग्रह, कहानीकार निर्मल वर्मा ने लिखा है। 'नामवर सिंह' ने 'परिदे' कहानी को हिन्दी की प्रथम कहानी माना है। 'रिचर्ड' भीष्म साहनी के उपन्यास 'तमस' (1973 ई.) का पात्र है, 'रामधन' (रामधन मिश्र) मुंशी प्रेमचन्द के 'पंचपरमेश्वर' कहानी का पात्र है।

16. उस युवती के प्रति मेरे मन में जो प्रेम और श्रद्धा है, वह ऐसी है कि अगर मैं उसकी ओर वासना से देखूं तो आँखें फूट जायँ।" उपर्युक्त संवाद 'गोदान' उपन्यास के किन दो पात्रों के बीच हुआ है?

(a) मेहता और मालती
(b) खन्ना और गोविन्दी
(c) मिर्जा खुर्शेद और मेहता
(d) राय अमरपालसिंह और मालती

Ans. (a) : "उस युवती के प्रति मेरे मन में जो प्रेम और श्रद्धा है, वह ऐसी है कि अगर मैं उसकी ओर वासना से देखूं तो आँखें फूट जायँ।" यह संवाद 'गोदान' उपन्यास में मेहता और मालती के बीच हुआ। 'गोदान' (1936 ई.) उपन्यास मुंशी प्रेमचन्द ने लिखा है और इस उपन्यास के अन्य पात्र हैं- होरी, धनिया, गोबर, झुनिया, भोला, राय साहब, खन्ना, दातादीन, गोविन्दी आदि। इस उपन्यास में 'किसान जीवन की महागाथा और ऋण (कर्ज) की समस्या का वृहद अंकन है।

17. निम्नलिखित में से कौन 'तमस' उपन्यास का पात्र नही है?

(a) रत्तो (b) नत्थू
(c) रिचर्ड (d) हयात बख्श

Ans. (a) : रत्तो 'तमस' उपन्यास का पात्र नहीं है। भीष्म साहनी के 'तमस' (1973 ई.) उपन्यास के पात्र हैं- रिचर्ड, नत्थू, हयात बख्श, वानप्रस्थ, लिजा, जरनैल सिंह, हरनाम, वन्तो, लक्ष्मी, नारायण, नूरी इलाही, मोहन।

18. 'संस्कृति के चार अध्याय' में दिनकर ने रवीन्द्रनाथ टैगोर और मुहम्मद इकबाल को आख्यायित किया है।

(a) राष्ट्रीय कवि के रूप में
(b) नवोत्थान के कवि के रूप में
(c) भारतीय कवि के रूप में
(d) सामासिक संस्कृति के कवि के रूप में

Ans. (b) : 'संस्कृति के चार अध्याय' निबन्ध में 'दिनकर' ने रवीन्द्रनाथ टैगोर और मुहम्मद इकबाल को नवोत्थान के कवि के रूप में आख्यायित किया है। इस निबन्ध पर रामधारी सिंह दिनकर को सन् 1959 ई. में 'साहित्य अकादमी पुरस्कर मिला, दिनकर जी ने भारत के सांस्कृतिक इतिहास को चार भागों में बाँटकर लिखने का प्रयत्न किया, जो भारतीय संस्कृति का एक सर्वेक्षण है। 'संस्कृति के चार अध्याय' निबंध का प्रकाशन सन् 1946 ई. में साहित्य अकादमी द्वारा हुआ।

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

19. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है।
1. लुइपा
2. स्वयंभू
3. हेमचन्द्र
4. पुष्यदंत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–
(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 1, 4, 3
(c) 3, 2, 1, 4 (d) 4, 3, 2, 1

Ans. (b) : स्वयंभू (783 ई.) → लुइपा → पुष्पदन्त (972 ई.) → हेमचन्द्र (1088 ई.)। लुइपा का समय कहीं-कहीं 773 ई. भी देखने को मिलता है।

20. निम्नलिखित में से चतुर्भुजदास के संबंध में सही है।
1. कुंभनदास के पुत्र थे।
2. इनकी भाषा तत्सम प्रधान थी।
3. इनके दो ग्रंथ मिलते है।
4. 'हितजू को मंगल' इनकी काव्य कृति है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (c) : चतुर्भुजदास के सम्बन्ध में सही कथन-चतुर्भुजदास 'कुम्भनदास' के पुत्र थे, हितजू को मंगल' इनकी काव्य कृति है। चतुर्भुजदास का समय (1530-1585 ई.) है। इनके गुरु गोसाई विट्ठलनाथ थे। इनका जन्म जमुनावती (उ.प्र.) में हुआ था। ये अष्टछाप के कवि थे। अष्टछाप के कवियों में कुम्भनदास सबसे बड़े तथा नन्ददास सबसे छोटे थे।

21. सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए–

सूची I (उच्चारण)	सूची II (वर्ण)
A. ओष्ठ्य	1. च
B. दंत्य	2. प
C. कंठ्य	3. त
D. तालव्य	4. ग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2	(d)	4	3	2	1

Ans. (b) : वर्णों के उच्चारण स्थान का सही सुमेल है–

उच्चारण स्थान		वर्ण
ओष्ठ्य	-	प
दंत्य	-	त
कंठ्य	-	ग
तालव्य	-	च

22. निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है–
1. रिपब्लिक
2. माइंड इन द मॉडर्न वर्ल्ड
3. प्रैक्टिकल क्रिटीसिज्म
4. एसेज ऐंसिएंट एंड मॉडर्न

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) 1, 3, 4, 2 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 4, 2, 3, 1

Ans. (a) : ग्रंथों का सही अनुक्रम निम्न प्रकार है–

रचना	लेखक	प्रकाशन वर्ष
रिपब्लिक	प्लेटो	380 ई.पू.
प्रैक्टिकल क्रिटीसिज्म	आइ. ए. रिचर्ड्स	1929 ई.
एसेज ऐंसिएंट एंड मॉडर्न	टॉमस स्टर्न्स इलियट	1936 ई.
माइंड इन द मॉडर्न वर्ल्ड	लियोनेल ट्रिलिंग	1972 ई.

23. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार चंदबरदाई हैं–
1. केवल कवित्त के रचयिता
2. हिंदी के प्रथम महाकवि
3. केवल दूहा और तोमर के रचयिता
4. व्याकरण में पारंगत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (d) : 'रामचन्द्र शुक्ल' के अनुसार चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि तथा 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य है। शुक्ल जी के अनुसार चन्दबरदाई व्याकरण में पारंगत थे। 'छप्पय' इनका निजी छंद था। शिवसिंह सेंगर ने चन्दबरदाई को 'छप्पयों का राजा' कहा है। इनकी अधूरी कृति 'पृथ्वीराज रासो' को इनके पुत्र जल्हण ने पूर्ण किया।

24. 'म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णां कूयां।
दध मथ घृत काढ़ लयां डार दया छूयां।'
उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'छूयां' का अर्थ है–
(a) छार (b) मट्ठा
(c) मथानी (d) मक्खन

Ans. (b) : 'म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णां कूयां।
दध मथ घृत काढ़ लयां डार दया छूयां।'
उक्त पंक्ति में प्रयुक्त 'छूयां' का अर्थ 'मट्ठा' है। उपर्युक्त पंक्ति भक्तिकाल के सम्प्रदाय निरपेक्ष कृष्ण भक्ति शाखा की कवयित्री मीराबाई की है। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं- रागगोविंद, रागसोरठा, गीत गोविंद, नरसी जी का मायरा। मीराबाई की अन्य महत्वपूर्ण पंक्तियाँ हैं-
- बसो मेरे नैनन में नन्द लाल।
- हरि तुम हरो जन की पीर।
- घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई।
- जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई।

25. निम्नलिखित में से इतिहास दर्शन (Historiography) से मूलतः संबंधित विचारक हैं–
(a) वॉल्तेयर (b) हिरोदोत्तम
(c) विको (d) कांट

Ans. (a) : इतिहास दर्शन के मूलतः संबंधित विचारक वॉल्तेयर हैं। वॉल्तेयर का मूल नाम 'फ्रान्सिस मेरी ऐरोयेत' था। ये वॉल्तेयर नाम से रचना करते थे, इनका जन्म पेरिस में 21 नवम्बर, सन् 1694 को हुआ। इन्होंने नाटक, दर्शन, व्यंग्य कथा तथा काव्यशास्त्रीय रचनाएँ लिखी और बंधी-बंधाई परम्पराओं का विरोध किया।

26. 'चम्पा द्वीप' किस कहानी में आया है
(a) दुलाईवाली (b) पिता
(c) आकाशदीप (d) गैंग्रीन

Scanned with CamScanner

Ans. (c) : 'चम्पा द्वीप' आकाशदीप कहानी में आया है। 'आकाश दीप' जयशंकर प्रसाद का कहानी-संग्रह है। प्रसाद के अन्य कहानी संग्रह हैं- छाया, प्रतिध्वनि, आँधी, इन्द्रजाल। 'दुलाईवाली' (1907 ई.) बंगमहिला (राजेन्द्र बाला घोष), 'गैंग्रीन' कहानी अज्ञेय की तथा पिता (1965 ई.) ज्ञानरंजन की कहानी है।

27. मैत्रेयी पुष्पा के किस उपन्यास में ब्रज-क्षेत्र के जीवन-यथार्थ का चित्रण हुआ है?

(a) चाक (b) झूलानट
(c) अल्मा कबूतरी (d) इदन्नमम्

Ans. (a) : 'चाक' (1997 ई.) उपन्यास में मैत्रेयी पुष्पा ने ब्रज-क्षेत्र के जीवन यथार्थ का चित्रण किया है। मैत्रेयी पुष्पा के अन्य उपन्यास हैं- झूलानट (1999 ई.), अल्मा कबूतरी (2000 ई.), इदन्नमम् (1994 ई.), कहे ईसुरी फाग (2004 ई.), गुनाह बेगुनाह, विजन, त्रियाहठ, बेतवा बहती रही, स्मृति दंश।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा कोलरिज का ग्रंथ नहीं है?

(a) द टेबल टॉक (b) लैटर्स
(c) लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर (d) एलिजाबेथन एसेज

Ans. (a&d) : 'एलिजाबेथन एसेज' तथा 'द टेबल टॉक' ग्रंथ कॉलरिज के नहीं हैं बल्कि 'एलिजाबेथन एसेज' ग्रंथ टी.एस. एलियट का और 'द टेबल टॉक' विलियम हेजलिट का ग्रंथ है। कोलरिज द्वारा रचित ग्रंथ- लैटर्स, लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर, बायोग्राफिया लिटरेरिया, चर्च एण्ड स्टेट, कंफेशज ऑफ इन इनक्वायरिंग स्पिरिट, द फ्रेंड, एड्स टू रिफ्लेक्शन।

29. 'असाध्य वीणा' अज्ञेय के किस कविता संग्रह में है?

(a) बावरा अहेरी (b) इन्द्रधनु रौंदे हुए
(c) अरी ओ करुणा प्रभामय (d) आँगन के पार द्वार

Ans. (d) : 'असाध्य वीणा' अज्ञेय के 'आँगन के पार द्वार' (1961 ई.) कविता संग्रह में संगृहीत है। अज्ञेय की अन्य कविताएँ हैं- बावरा अहेरी (1954 ई.), इन्द्रधनुष रौंदे हुए (1957 ई.), अरी ओ करुणा प्रभामय (1959 ई.) आदि।

30. अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखाओं दुहि पय पिवत पतूखी।
उक्त पद में 'पतूखी' का अर्थ है–

(a) साग-सब्जी (b) पेय पदार्थ
(c) पकवान (d) पत्ते का दोना

Ans. (d) : अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखाओं दुहि पय पिवत पतूखी।
उक्त पद में 'पतूखी' का अर्थ है 'पत्ते का दोना' जो सूरदास जी के पद से लिया गया है। सूरदास की रचनाएँ हैं- सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य-लहरी।

31. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A : मार्क्सवाद साहित्य-सृजन का प्रधान कारण श्रम को मानता है।
कारण R : क्योंकि श्रम के बगैर साहित्य की परिकल्पना असंभव है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (c) : अभिकथन A : मार्क्सवाद साहित्य सृजन का प्रधान कारण श्रम को मानता है।
कारण R है- क्योंकि श्रम के बगैर साहित्य की परिकल्पना असंभव है। अतः अभिकथन A सत्य है, लेकिन कारण R असत्य है।

32. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ	1. रामधारी सिंह 'दिनकर'
B. आत्मा की आँखें	2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
C. चुका भी हूँ नहीं मैं	3. शमशेर बहादुर सिंह
D. कुकुरमुत्ता	4. रघुवीर सहाय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(c)	3	2	4	1

	A	B	C	D
(b)	2	3	1	4
(d)	1	4	2	3

Ans. (a) : कविताएँ एवं रचनाकारों का सही सुमेलन हैं–

रचना	रचनाकार
कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989 ई.)	– रघुवीर सहाय
आत्मा की आँखें (1964 ई.)	– रामधारी सिंह 'दिनकर'
चुका भी हूँ नहीं मैं (1975 ई.)	– शमशेर बहादुर सिंह,
कुकुरमुत्ता (1942 ई.)	– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

33. कबीर कूता राम, मुतिया मेरा नाउँ।
गलै राम की जेवड़ी, जित खैंचै तित जाउँ॥
इस दोहे में किस तरह की मानसिकता व्यक्त हुई है?

(a) आत्मसमर्पण (b) मान
(c) दीनता (d) कुंठा

Ans. (a) : उपर्युक्त दोहे में 'आत्मसमर्पण' की मानसिकता व्यक्त हुई है। प्रस्तुत दोहा भक्तिकाल के निर्गुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि कबीर दास द्वारा रचित है। 'कबीर' अरबी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता 'महान' या 'श्रेष्ठ' होता है।

34. प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. समय-सरगम 2. मित्रो मरजानी
3. ऐ लड़की 4. सूरजमुखी अंधेरे के

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1
(c) 2, 1, 4, 3 (d) 2, 4, 3, 1

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम इस प्रकार है– मित्रो मरजानी (1967 ई.), सूरजमुखी अँधेरे के (1972 ई.), ऐ लड़की (1991 ई.), समय-सरगम (2000 ई.)। 1980 ई. में इन्हें प्रसिद्ध उपन्यास 'जिन्दगीनामा' (1979 ई.) के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : कल्पना काव्य का अनिवार्य साधन है।

कारण R : क्योंकि कल्पना काव्य में साध्य है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं लेकिन R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं हैं लेकिन R सही है।

Ans. (c) : अभिकथन A कल्पना काव्य का अनिवार्य साधन है। कारण R क्योंकि रस, माधुर्य, लालित्य आदि सभी भाव कल्पना से जुड़े है। अतः अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R सही नहीं है।

36. महादेवी वर्मा के संबंध में रामचंद्र शुक्ल की क्या स्थापनाएँ हैं?

1. महादेवी के गीतों का मूलाधार मिलन सुख है।
2. छायावादी कवियों में महादेवी वर्मा ही रहस्यवाद के अंतर्गत हैं।
3. महादेवी के गीतों में अनूठी व्यंजना है।
4. महादेवी के गीतों में वास्तविक अनुभूतियाँ हैं, रमणीय कल्पना नहीं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (b) : छायावादी कहे जाने वाले कवियों में महादेवी ही रहस्यवाद के भीतर रही हैं। उस अज्ञात प्रियतम के लिए वेदना ही इनके हृदय का भावकेन्द्र है जिससे अनेक प्रकार की भावनाएँ कूट-कूट कर झलक मारती हैं। वेदना से इन्होंने अपना स्वाभाविक प्रेम व्यक्त किया है, उसी के साथ वे रहना चाहती हैं। इनके गीतों में अनूठी व्यंजना है अतः महादेवी वर्मा के संबंध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार कथन 2 और 3 दोनों सत्य है।

37. 'लछमा' किस कहानी का पात्र है?

(a) पुरस्कार (b) कोसी का घटवार
(c) पिता (d) परिंदे

Ans. (b) : 'लछमा' कोसी का घटवार कहानी का पात्र है। 'कोसी का घटवार' कहानी संग्रह शेखर जोशी द्वारा रचित है। अन्य प्रसिद्ध कहानी, कहानीकार एवं उसके पात्र–

कहानी	लेखक	पात्र
पुरस्कार	- जयशंकर प्रसाद	- अरुण, मधुलिका, कौशल नरेश, सेनापति
परिन्दे	- निर्मल वर्मा	- लतिका, डॉ. मुखर्जी, करीमुद्दीन, गिरीश
ठाकुर का कुआँ	- प्रेमचन्द	- जोखू, जंगी, ठाकुर
उसने कहा था	- गुलेरी	- लहना सिंह, सूबेदारनी, बोधा, वजीरा सिंह
पिता	- ज्ञानरंजन	- पिता, पुत्र

38. 'जिन्दगीनामा' उपन्यास में–

1. बीसवीं शताब्दी के प्रथम पन्द्रह वर्षों में पंजाब के किसानों-ग्रामीणों के जीवन का चित्रण है।
2. महानगरवासी उच्चमध्यवर्गीय वृद्ध व्यक्तियों की जीवन स्थितियों का चित्रण है।
3. परिनिष्ठित हिन्दी को पंजाबी प्रयोगों से आक्रान्त कर दिया है।
4. विवाहेत्तर सन्तान और उसकी स्वीकृति का प्रश्न वर्णित है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (a) : जिन्दगीनामा उपन्यास में बीसवीं शताब्दी के प्रथम पन्द्रह वर्षों में पंजाब के किसानों-ग्रामीणों के जीवन का चित्रण है तथा परिनिष्ठित हिन्दी को पंजाबी प्रयोगों से आक्रान्त कर दिया है। 'जिन्दगीनामा' कृष्णा सोबती द्वारा रचित एक बड़ा उपन्यास है। प्रसिद्ध आलोचक डॉ. देवराज उपाध्याय के शब्दों में "यदि किसी को पंजाब प्रदेश की संस्कृति, रहन-सहन, चाल-ढाल, रीति-रिवाज की जानकारी प्राप्त करनी हो, इतिहास की बात जाननी हो, वहाँ की दन्तकथाओं, प्रचलित लोकोक्तियों तथा 18वीं-19वीं शताब्दी की प्रवृत्तियों से अवगत होने की इच्छा हो, तो 'जिन्दगीनामा' से अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं।"

39. 'आपका बंटी' उपन्यास का कथ्य है–

1. तलाकशुदा पति-पत्नी की संतान की समस्या
2. समकालीन राजनीतिक परिदृश्य
3. राजनीति में प्रविष्ट मूल्यहीनता
4. दांपत्य संबंध का विघटन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (c) : 'आपका बंटी' (1971 ई.) अपने ढंग का अकेला उपन्यास है। इस उपन्यास में आज के मध्यवर्गीय समाज में तलाक की समस्या एवं दाम्पत्य-जीवन के तनाव के कारण तलाकशुदा दम्पतियों के बच्चों की मनोवैज्ञानिकता का बड़ा ही मार्मिक चित्रण किया गया है। 'मन्नू भंडारी' ने अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'महाभोज' (1979 ई.) के बल पर अक्षय ख्याति अर्जित की है। यह एक राजनीतिक उपन्यास माना गया है। इसका परिवेश वैयक्तिक या पारिवारिक न होकर सामाजिक है। अतः 'आपका बंटी' उपन्यास का कथ्य विकल्प 1 और 4 सही हैं।

Scanned with CamScanner

40. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. चुनाव जीतने की तीन तरकीबें हैं एक रामनगर वाली, दूसरी नेवादावाली और तीसरी महिवालपुरवाली	1. होरी
B. छोटे बड़े भगवान के घर से बनकर आते हैं, संपत्ति बड़ी तपस्या से मिलती है।	2. रुप्पन बाबू
C. सबसे पहले तुम शशि, इसलिए नहीं कि तुम जीवन में सबसे पहले आई या कि तुम सबसे ताजी स्मृति हो।	3. लोरिक देव
D. समूचा आर्यावर्त रक्त कर्दम से पिच्छिल होने जा रहा है।	4. शेखर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	1	4	3	(b)	1	2	3	4
(c)	3	2	1	4	(d)	4	3	2	1

Ans. (a) : कथनों एवं पात्रों का सही सुमेलन है–

कथन		पात्र
चुनाव जीतने ..... महिवालपुरवाली	-	रुप्पन बाबू
छोटे बड़े ..... से मिलती है	-	होरी
सबसे पहले ..... ताजी स्मृति हो	-	शेखर
समूचा आर्यावर्त ..... जा रहा है	-	लोरिक देव

41. निम्नलिखित में से 'गोदान' उपन्यास में वर्णित गांव कौन-सा है?

1. गंगौली
2. सेमरी
3. बेलारी
4. मेरीगंज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (d) : 'गोदान' उपन्यास में 'सेमरी' और 'बेलारी' गाँव को केन्द्र में रखकर कथा वर्णित की गयी है, जबकि 'आधा गाँव' में गाजीपुर जिले के 'गंगोली' गाँव के सैय्यद मुसलमानों की कथा का वर्णन किया गया है तथा 'मैला आँचल' उपन्यास में बिहार राज्य के पूर्णिया जिले के 'मेरीगंज' को कथा का केन्द्र बनाया गया है।

42. 'आज का हिंदी-निबंध साहित्य अधिकांश में आलोचना की ओर दौड़ा जा रहा है। आजकल आचार्यत्व की चाह रीतिकाल से भी कुछ बढ़ी-चढ़ी है।' – यह किसका कथन है?

(a) नंद किशोर नवल (b) बाबू गुलाब राय
(c) मुक्तिबोध (d) मलयज

Ans. (b) : हिन्दी-निबन्ध-साहित्य की वर्तमान स्थिति को लक्ष्य करते हुए 'बाबू गुलाब राय' ने उपर्युक्त कथन को कहा है, जबकि नंद किशोर नवल, मुक्तिबोध मार्क्सवादी या प्रगतिवादी आलोचक के रूप में प्रसिद्ध है तथा 'मलयज' मूलतः कवि है। इनके आलोचनात्मक निबन्धों के दो संग्रह- 'कविता से साक्षात्कार' (1979 ई.) एवं 'संवाद और एकालाप' (1984 ई.) प्रकाशित है।

43. कर रही लीलामय आनन्द,
महाचिति सजग हुई सी व्यक्त,
विश्व का उन्मीलन अभिराम,
इसी में सब होते अनुरक्त।
शिव की कौन-सी तीन शक्तियों को 'महाचिति' कहा जाता है?

(a) इच्छा, ज्ञान, स्मृति (b) कामना, ज्ञान, स्मृति
(c) इच्छा, ज्ञान, क्रिया (d) इच्छा, भ्रांति, क्रिया

Ans. (c) : इच्छा, ज्ञान, क्रिया शिव की तीन शक्तियों को 'महाचिति' कहा जाता है।

44. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्सम शब्द नहीं है?

(a) अग्नि (b) भ्राता
(c) आज्ञा (d) किसान

Ans. (d) : 'किसान' तत्सम शब्द नहीं है, यह तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप 'कृषक' होगा जबकि अग्नि, भ्राता एवं आज्ञा तत्सम शब्द हैं।

45. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. लाला मदन मोहन	1. मैला आंचल
B. रामकिसुन बाबू	2. गोदान
C. मंगल	3. झूठा-सच
D. जुबेर	4. परीक्षा गुरु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	3	4	1
(c)	4	1	2	3	(d)	3	4	1	2

Ans. (c) : पात्रों एवं उपन्यासों का सही सुमेलन है–

पात्र		उपन्यास
लाला मदन मोहन	-	परीक्षा गुरु
रामकिसुन बाबू	-	मैला आंचल
मंगल	-	गोदान
जुबेर	-	झूठा-सच

46. "आज के व्यापक सामाजिक संबंधों के संदर्भ में जीने वाले व्यक्ति के माध्यम से ही मुक्तिबोध ने 'अँधेरे में' कविता में अस्मिता की खोज को नाटकीय रूप दिया है।"
यह कथन किस आलोचक का है?

(a) नामवर सिंह (b) रामविलास शर्मा
(c) रमेश कुन्तल मेघ (d) रामस्वरूप चतुर्वेदी

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (a) : उपर्युक्त कथन डॉ. नामवर सिंह जी का है। अँधेरे में एक लम्बी कविता है। विभिन्न आलोचकों ने इसे विभिन्न दृष्टिकोण से देखा है जो इस प्रकार है–
रामविलास शर्मा ने इसे "अपराध भावना का अनुसंधान" तथा "अरक्षित जीवन की कविता" कहा है।
रामस्वरूप चतुर्वेदी ने "अँधेरे में के लम्बे खण्डों में कवि की समस्या है समाज के उत्थान-पतन और आन्दोलन के बीच अपनी रचना के प्रेरक तत्वों का अभिज्ञान, रचना कैसे बाहर से अन्दर आती है और फिर कैसे बाहर दूर-दूर तक परिव्याप्त हो जाती है।"
इन्द्रनाथ मदान ने इसे "आत्म संशोधन का अनुसंधान" कहा है।

47. निम्नलिखित में से किस कवि का उपनाम 'हितैषी' है?

(a) तुलसीराम शर्मा (b) गोपालशरण सिंह
(c) अनूप शर्मा (d) जगदंबाप्रसाद

Ans. (d) : जगदंबाप्रसाद मिश्र (जन्म 1895 ई. निधन 1957 ई.) का जन्म मुरादाबाद, उन्नाव (उ.प्र.) में हुआ था। इनका उपनाम 'हितैषी' था। इनकी प्रमुख रचनाएँ- मातृगीता, कल्लोलिनी, वैकाली, दर्शना आदि।

48. भारतेंदु युग के प्रमुख निबंधकार हैं:

1. पद्मसिंह शर्मा
2. काशीनाथ खत्री
3. श्याम बिहारी मिश्र
4. राधाचरण गोस्वामी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1 और 2

Ans. (c) : भारतेन्दु युग के प्रमुख निबन्धकार काशीनाथ खत्री एवं राधाचरण गोस्वामी हैं। भारतेन्दु युग के अन्य निबन्धकार हैं- बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रतापनारायण मिश्र, ठाकुर जगमोहन सिंह, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास आदि। जबकि हिन्दी के प्रथम संस्मरण कार पद्मसिंह शर्मा हैं। इनकी प्रमुख रचना 'पद्मपराग' सन् (1929 ई.) में प्रकाशित हुई।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व मार्क्सवादी चिन्तन के पक्ष में नहीं है?

(a) आधार और अधिरचना (b) वर्ग संघर्ष
(c) प्रतिनिधि पात्र (d) यांत्रिक भौतिकवाद

Ans. (d) : 'यांत्रिक भौतिकवाद' तत्व मार्क्सवादी चिन्तन के पक्ष में नहीं है, जबकि आधार और अधिरचना, वर्ग-संघर्ष तथा प्रतिनिधि पात्र मार्क्सवादी चिन्तन के तत्व है। कार्ल मार्क्स की साम्यवादी विचारधारा ही मार्क्सवादी विचारधारा के नाम से जानी जाती है।

50. तुलसीदास ने 'रामचरित मानस' के 'उत्तरकांड' में क्या प्रतिपादित किया है?

1. ज्ञान की अपेक्षा भक्ति सुसाध्य और आशुफलदायिनी है।
2. कलियुग में असंतो की संगीत लाभदायक होगी।
3. कलियुग में मनुष्य वर्ण, धर्म और आश्रम का पालन करने वाले होगे।
4. कलियुग में लोग लोभ और स्वार्थ के वशीभूत होंगे और माता-पिता तथा गुरू का अनादर करेगें।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : गोस्वामी तुलसीदास ने 'रामचरित मानस' के 'उत्तरकांड' में ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफल दायिनी कहा है। तथा कलियुग में लोग स्वार्थ के वशीभूत होंगे और माता-पिता तथा गुरु का अनादर करेगें। 'रामचरितमानस' में तुलसी केवल कवि रूप में ही नहीं, उपदेशक के रूप में भी सामने आते है। अतः कथन 1 और 4 दोनों सही है। 'रामचरित मानस' को मानव समाज का दर्पण कहा गया है। इसमें कुल 'सात' काण्ड है जो इस प्रकार है- 1. बालकाण्ड, 2. अयोध्याकाण्ड, 3. अरण्यकाण्ड, 4. किष्किन्धाकाण्ड 5. सुन्दरकाण्ड, 6. लंकाकाण्ड, 7. उत्तरकाण्ड।

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचन्द की कहानियों का सही क्रम है–

1. बूढ़ी काकी
2. सवा सेर गेहूँ
3. पंच परमेश्वर
4. प्रेरणा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1, 3, 4, 2 (b) 4, 2, 1, 3
(c) 3, 4, 1, 2 (d) 3, 1, 2, 4

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचंद की कहानियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है- पंचपरमेश्वर (1916 ई.), बूढ़ी काकी (1920 ई.), सवा सेर गेहूँ (1924 ई.), प्रेरणा। प्रेमचन्द की अन्य कहानियाँ– नमक का दरोगा, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, समर यात्रा, होली का उपहार, ईदगाह, बड़े भाई साहब, कफ़न इत्यादि।

52. निम्नलिखित में से कौन-सी नंददास की कृति नहीं है?

(a) रुपमंजरी (b) विरहमंजरी
(c) मानमंजरी (d) कविप्रिया

Ans. (d) : 'कविप्रिया' नन्ददास की कृति नहीं है। नननदास की रचनाएँ– रुपमंजरी, विरहमंजरी, मानमंजरी हैं। कविप्रिया केशवदास की रचना है। इसका समय (1601 ई.) है। केशवदास की अन्य रचनाएँ– रसिक प्रिया, रामचन्द्रिका, विज्ञान गीता आदि।

53. 'संस्कृति के चार अध्याय' के अनुसार अकबर के राज्यारोहण तक सरकारी हिसाब किस भाषा में रखा जाता था?

(a) अरबी (b) फारसी
(c) उर्दू (d) हिंदी

Ans. (d) : 'संस्कृति के चार अध्याय' के अनुसार अकबर के राज्यारोहण तक सरकारी हिसाब 'हिन्दी' भाषा में रखा जाता था। 'संस्कृति के चार अध्याय' चार भागों में रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा लिखा गया। इस पर दिनकर को सन् 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

54. रामचंद्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में देव के कितने ग्रंथों का उल्लेख किया है?

(a) 22 (b) 23
(c) 24 (d) 25

Scanned with CamScanner

Ans. (b) : रामचंद्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में देव के तेईस (23) ग्रंथों का उल्लेख किया है, जो निम्न हैं- रसविलास, भावविलास, भवानीविलास, कुशलविलास, अष्टयाम, सुजान विनोद, काव्यरसायन, जातिविलास, देवमाया प्रपंच, रसविलास, रागरत्नाकर, देवचरित, सूख सागर तरंग, प्रेमचंद्रिका, देवशतक, प्रेमतरंग इत्यादि।

55. 'सहमति.....
नहीं, यह समकालीन शब्द नहीं है
इसे बालिगों के बीच चालू मत करो'
ये पंक्तियाँ किस कविता से हैं?
(a) अकाल दर्शन (b) नक्सलबाड़ी
(c) रोटी और संसद (d) मोचीराम

Ans. (b) : उपर्युक्त पंक्तियाँ सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' द्वारा लिखित कविता 'नक्सलबाड़ी' से हैं। धूमिल की प्रमुख कविताएँ- मोचीराम, बीस साल बाद, पटकथा, रोटी और संसद, लोहे का स्वाद आदि।

56. निम्नलिखित में से यह कथन-'इष्टाभिधेय वक्रोक्तिरिष्टा वाचामलंकृतिः' किसका है?
(a) भामह (b) दण्डी
(c) उद्भट (d) वामन

Ans. (a) : 'इष्टाभिधेय वक्रोक्तिरिष्टा वाचामलंकृतिः' यह कथन भामह का है। भामह ने 'काव्यालंकार' नामक ग्रन्थ की रचना की, जो छह परिच्छेदों में विभक्त है।

57. प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है–
1. इन्द्रजाल 2. आकशदीप
3. ग्राम 4. गूदड़साईं
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए:
(a) 3, 4, 2, 1 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 4, 1 (d) 4, 2, 1, 3

Ans. (a) : ग्राम (1911 ई.) गूदड़साई (1926 ई.), आकाशदीप (1928 ई.), इन्द्रजाल (1936 ई.) प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है। प्रमुख चर्चित कहानियाँ- पत्थर की पुकार, उस पार का योगी, चंदा, देवदासी, ममता, खण्डहर की लिपि, घीसू, चूड़ीवाली, विसाती, सालवती, मधुआ, नूरी, पुरस्कार, गुण्डा, छोटा जादूगर।

58. "इधर वह कविता मेरा पिंड नहीं छोड़ रही थी। अगर वह कविता भावावेशपूर्ण होती तो एक बार उसकी आवेशात्मक अभिव्यक्ति हो जाने पर मेरी छुट्टी हो जाती।" – यह उद्धरण निम्नलिखित में से किससे लिया गया है?
(a) डबरे पर सूरज का बिंब
(b) तीसरा क्षण
(c) हाशिये पर कुछ नोट्स
(d) एक लंबी कविता का अंत

Ans. (d) : "इधर वह कविता ..... मेरी छुट्टी हो जाती।" यह उद्धरण मुक्तिबोध की 'एक लम्बी कविता का अंत' से लिया गया है। मुक्तिबोध की प्रमुख कविताएँ- अँधेरे में, ब्रह्म राक्षस, अंतःकरण का आयतन, भूलगलती। 'अँधेरे में' का पहला प्रकाशन 'कल्पना' में 1964 ई. 'आशंका के द्वीप अँधेरे में' नाम से हुआ।

59. पार्वती, सुखदेई, दौलत राम और छोटे निम्नलिखित में से किस कथा- कृति के पात्र हैं?
(a) रानी केतकी की कहानी
(b) वामा शिक्षक
(c) भाग्यवती
(d) देवरानी जेठानी की कहानी

Ans. (d) : पार्वती, सुखदेई, दौलत राम और छोटे पं. गौरी दत्त द्वारा लिखित उपन्यास 'देवरानी जेठानी की कहानी' (1870 ई.) के पात्र हैं।

कहानी		कहानीकार
रानी केतकी की कहानी	-	इंशा अल्ला खाँ
वामा शिक्षक	-	मुंशी ईश्वरी प्रसाद और कल्याणराय
भाग्यवती	-	श्रद्धाराम फिल्लौरी

60. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' का प्रतिपाद्य है–
1. इसमें रहस्यवादी ढंग से जीवन की नश्वरता की बात की गई है।
2. इसमें स्त्री के सामाजिक प्रदेय और श्रेय को रेखांकित किया गया है।
3. स्त्री का जीवन दुख में ही बीतता रहा है।
4. स्त्री अपने आँसुओं को व्यर्थ नहीं जाने देती है। वह उसी से नया सृजन करती रही है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1 और 2 (d) 3 और 4

Ans. (d) : 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' का प्रतिपाद्य है– स्त्री का जीवन दुःख में ही बीतता रहा है तथा स्त्री अपने आँसुओं को व्यर्थ नहीं जाने देती है। वह उसी से नया सृजन करती रही है।
महादेवी वर्मा की महत्वपूर्ण काव्य कृतियाँ हैं- नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, यामा, दीपशिखा, सप्तपर्णा आदि।

61. मुर्दहिया में नन्हकू पांडे किस कला में कुशल थे?
(a) वीणावादन (b) ढोलक वादन
(c) सारंगी वादन (d) तबला वादन

Ans. (b) : 'मुर्दहिया' में नन्हकू पांडे ढोलक वादन कला में कुशल थे। तुलसीराम कृत दलित आत्मकथा मुर्दहिया (2010, प्रथम भाग) मणिकर्णिका (2013, दूसरा भाग) है।

62. 'ईश्वर अंस जीव अबिनासी।,
चेतन अमल सहज सुख रासी।।
इन पंक्तियों में कौन-सा दर्शन है?
(a) अद्वैतवाद (b) भेदाभेदवाद
(c) द्वैताद्वैतवाद (d) विशिष्टाद्वैतवाद

Ans. (d) : 'ईश्वर अंस ..... सुख रासी।। पंक्तियों में विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन है। रामानुजाचार्य विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन के प्रवर्तक है।

दर्शन		प्रवर्तक
अद्वैतवाद	–	शंकराचार्य
द्वैताद्वैतवाद (भेदाभेदवाद)	–	निम्बार्काचार्य
द्वैतवाद	–	मध्वाचार्य
शुद्धाद्वैतवाद	–	विष्णुस्वामी

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

63. प्रकाशन वर्ष के अनुसार श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. बिश्रामपुर का संत
2. मकान
3. सूनी घाटी का सूरज
4. पहला पड़ाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए :

(a) 4, 1, 2, 3 (b) 2, 3, 1, 4
(c) 3, 2, 4, 1 (d) 1, 2, 3, 4

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष
सूनी घाटी का सूरज	1957 ई.
मकान	1976 ई.
पहला पडाव	1987 ई.
विश्रामपुर का संत	1998 ई.

64. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है–

1. हानूश
2. लहरों के राजहंस
3. आषाढ़ का एक दिन
4. आधे-अधूरे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 2, 4, 1 (d) 4, 1, 2, 3

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार नाटकों का सही अनुक्रम है– आषाढ़ का एक दिन (1958 ई.), लहरों के राजहंस (1963 ई.), आधे अधूरे (1969 ई.), हानूश (1977 ई.), लहरों के राजहंस नाटक की रचना मोहन राकेश ने अश्वघोष के महाकाव्य 'सौन्दरानन्द' के आधार पर किया है। 'आधे अधूरे' नाटक को 'मील का पत्थर' भी कहा जाता है। आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे-अधूरे मोहन राकेश के नाटक हैं। 'हानूश' नाटक भीष्म साहनी के हैं।

65. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. राष्ट्रपति का आदेश	1. 1968
B. संसद की राजभाषा समिति के सुझाव	2. 1955
C. राजभाषा अधिनियम	3. 1959
D. संकल्प	4. 1963

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	3	4	1	2
(c)	4	1	2	3	(d)	2	3	4	1

Ans. (d) : सूची-I के साथ सूची-II का सही सुमेलन है–

सूची-I	सूची-II
राष्ट्रपति का आदेश	– 1955 ई.
संसद की राजभाषा समिति के सुझाव	– 1959 ई.
राजभाषा अधिनियम	– 1963 ई.
संकल्प	– 1968 ई.

1. राष्ट्रपति (राजेन्द्र प्रसाद) ने सन् 1955 ई. में बाल गंगाधर (बी.जी.) खेर की अध्यक्षता में 'राजभाषा आयोग' का गठन किया। इस आयोग में 21 सदस्य थे।
2. संयुक्त संसदीय समिति में 30 सदस्य थे जिनमें लोक सभा के 20 तथा राज्य सभा के 10 सदस्य थे। इसने अपना प्रतिवेदन 1959 ई. में दिया।
3. राजभाषा अधिनियम 1963 ई. उन भाषाओं का, जो संघ के राजकीय प्रयोजनों, संसद में कार्य के व्यवहार, केन्द्रीय और राज्य अधिनियमों और उच्च न्यायालयों में कतिपय प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लाई जा सकेगी।
4. संकल्प 1968 ई. संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी रहेगी और उसके अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी भाषा का प्रसार वृद्धि करना और उसका विकास करना ताकि वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सब तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम हो सके।

66. 'भारत-दुर्दशा' के बारे में कौन-से विचार सही हैं?

1. इसका आरंभ महारानी विक्टोरिया की स्तुति से हुआ है।
2. यह हिन्दी का पहला राजनीतिक नाटक है।
3. यह विचार प्रधान नाटक है।
4. इसमें अंग्रेजी राज में भारत के विकास की बात की गई है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (a) : भारत-दुर्दशा के बारे में सही विचार यह है कि यह हिन्दी का पहला राजनीतिक तथा विचार प्रधान नाटक है। 'भारत-दुर्दशा' भारतेन्दु हरिश्चंद्र का हिन्दी का पहला राजनीतिक नाटक माना जाता है। इसमें भारत वर्ष के तत्कालीन परिस्थिति का चित्रण व अंग्रेजी राज्य की अप्रत्यक्ष निन्दा की गयी है। भारत-दुर्दशा 1880 ई. में रचित भारतेन्दु हरिश्चंद्र का (नाट्य या रासक) नाटक है। इसमें कुल छः अंक है।

प्रथम अंक – स्थान बीथी।

द्वितीय अंक – इस अंक में दीन भारत बिलख-बिलख कर अपनी दुर्दशा का वर्णन करके मुर्छित होता है।

तृतीय अंक – इस अंक में भारत दुर्दैव भारत की दुर्दशा और अपनी सफलता पर प्रसन्न होता है।

चतुर्थ अंक – इस अंक में पुनः भारत दुर्दैव रोग, आलस्य, मदिरा, अहंकार आदि की सहायता से भारत की रही-सही दशा को भी नष्ट करने की योजना बनाता है।

पञ्चम अंक – पाँचवें अंक में सात सभ्यों की कमेटी भारत दुर्दैव से भारत की रक्षा के उपायों पर विचार करती है।

षष्ठ अंक – छठें अंक में 'भारत भाग्य' मुर्छित भारत को जगाने का प्रयत्न करता है।

नाटक का प्रमुख उद्देश्य, तत्कालीन भारत की दुर्दशा को दिखाना एवं दुर्दशा के कारणों को कम कर दुर्दशा करने वालों का यथार्थ चित्र उपस्थित करना।

67. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो!	1. जागरण गीत
B. बीती विभावरी जाग री!	2. स्त्री जागृति

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

C. ये जो जमुना के-से कछार पंद फटे बिवाई के, उधार — 3. दार्शनिकता

D. इस धारा सा ही जग का क्रम शाश्वत इस जीवन का संगम — 4. सामाजिक विसंगति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	4	3	2	1
(c)	3	1	4	2	(d)	2	1	4	3

Ans. (d) : सूची-I के साथ सूची-II का सही मिलान–

सूची-I	सूची-II
"कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो! हो उठी है चंचु छूकर!"	– स्त्री जागृति
"बीती विभावरी जाग री अम्बर पनघट में डुबो रही तारा घट ऊषा नागरी।"	– जागरण गीत
"ये जो जमुना के-से कछार पद फटे बिवाई के, उधार।"	– सामाजिक विसंगति
"इस धारा सा ही जग का क्रम शाश्वत इस जीवन का संगम।"	– दार्शनिकता

68. 'ध्रुवस्वामिनी' के प्रतिपाद्य हैं:

1. स्त्री पुरुषार्थ का ढोंग न करे। विश्व भर में सब काम सबके लिए नहीं हैं।
2. प्रेम में अपना सर्वस्व निछावर करने वाली स्त्रियाँ कभी असहाय नहीं होती हैं।
3. स्त्री उपहार में देने की वस्तु नहीं है। पुरुष उसे अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर अत्याचार न करे।
4. स्त्री को अपने चुनाव और निर्णय की स्वतंत्रता हैं

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 3 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (c) : स्त्री उपहार में देने की वस्तु नहीं है। पुरुष उसे अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर अत्याचार न करें तथा स्त्री को अपने चुनाव और निर्णय की स्वतंत्रता हैं।

उपर्युक्त दोनों कथन ध्रुवस्वामिनी के प्रतिपाद्य विषय हैं।

ध्रुवस्वामिनी (1933 ई.) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित विशाख के 'देवी चन्द्रगुप्त' के आधार पर लिखा गया है। 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्र-

स्त्री पात्र- ध्रुवस्वामिनी, मंदाकिनी, कोमा।

पुरुष पात्र- रामगुप्त, चन्दगुप्त, शिखरस्वामी, शकराज, मिहिरदेव और पुरोहित प्रमुख पात्र है।

इस नाटक में ध्रुवस्वामिनी प्रमुख पात्र है जो नारी चिंतन के विषयों को समग्र रूप से प्रस्तुत करती है। नाटक में पात्रों के माध्यम से महिला की समस्याओं को समाज के महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करता है।

69. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा शामी भाषाओं में शामिल नहीं है?

(a) इब्रानी (b) अरबी
(c) हब्शी (d) फारसी

Ans. (d) : 'फारसी' शामी भाषाओं में शामिल नहीं है। भारोपीय भाषा परिवार विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में सर्वप्रमुख भाषा परिवार है। इसके बोलने वालों की संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है। इस भाषा परिवार की प्रमुख भाषाएँ हैं–

1. संस्कृत, 2. पालि, 3. प्राकृत, 4. अपभ्रंश, 5. हिन्दी, 6. बंगाली, 7. फारसी, 8. ग्रीक, 9. लैटिन, 10. अंग्रेजी, 11. रूसी, 12. जर्मन, 13. पुर्तगाली, 14. इतालवी आदि है।

70. निम्नलिखित में से किस विचार से गाँधीवादी दर्शन सहमत नहीं है?

(a) सत्य और अहिंसा
(b) मनुष्य की सार्थकता जानने में नहीं, करने में है
(c) सादा जीवन और श्रम पर जोर
(d) साध्य की शुद्धता लेकिन साधन की अशुद्धता

Ans. (d) : साध्य की शुद्धता लेकिन साधन की अशुद्धता से गाँधीवादी दर्शन सहमत नहीं है। गाँधीवादी दर्शन कई स्तरों से आध्यात्मिक या धार्मिक, नैतिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, व्यक्तिगत और सामूहिक तथ्यों पर मौजूद है। गाँधीवादी दर्शन के प्रमुख तत्व निम्न है–

- आध्यात्मिक या धार्मिक तत्व और ईश्वर इसके मूल में है।
- सभी व्यक्ति उच्च नैतिक विकास और सुधार करने के लिए सक्षम है।
- सादा जीवन और श्रम पर जोर
- सत्य और अहिंसा

71. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के किस गाँव का उल्लेख है?

(a) ललितपुर (b) लोहितपुर
(c) अमोढ़ा (d) जमोढ़ा

Ans. (c) : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अमोढ़ा गाँव का उल्लेख है। 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंशराय बच्चन का की बहुप्रशंसित आत्मकथा है इसकी रचना 1969 ई. में किया था। यह चार खण्डों में है।

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ
2. नीड़ का निर्माण फिर
3. बसेरे से दूर
4. दशद्वार से सोपान तक

'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा पर बच्चन जी को भारतीय साहित्य के सर्वोच्च पुरस्कार 'सस्वती सम्मान' से सम्मानित भी किया गया था।

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : जॉक देरिदा का मानना है कि पाठ का अर्थ पाठक तय करता है।

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

कारण R : क्योंकि पाठकों के मन की भिन्नता के कारण पाठ बहुलार्थी होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य हैं, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य हैं, लेकिन R सत्य है।

Ans. (a) : जॉक देरिदा का मानना है कि पाठ का अर्थ पाठक तय करता है क्योंकि पाठकों के मन की भिन्नता के कारण पाठ बहुलार्थी होता है। यहाँ अभिकथन (A) के सम्बन्ध में कारण (R) सही है। तथा R, A की सही व्याख्या है। जॉक देरिदा विखण्डनवाद के प्रवर्तक माने जाते हैं। जॉक देरिदा का जन्म 1930 ई. में अल्जीरिया में हुआ था। इनके गुरु फूको-अल्थ्यूरस थे। 'ऑफ ग्रैमेटोलॉजी' और 'राइट एण्ड डिफरेंस' (1978 ई.) इनके प्रमुख ग्रन्थ है। 'पाल द मान' विखण्डनवाद के प्रबल समर्थक माने जाते हैं।

73. 'जहाँ न धर्म न बुद्धि नहिं नीति न सुजन समाज।
ऐ ऐसहि आपुहिं नसैं, जैसे चौपट राज।।'
'अंधेर नगरी' के किस चरित्र से इस काव्यात्मक संवाद को कहलवाया गया है?

(a) गुरु (b) गोवर्धनदास
(c) फर्यादी (d) महंत

Ans. (a, d) :
'जहाँ न धर्म न बुद्धि नहिं नीति न सुजन समाज।
ऐ ऐसहि आपुहिं नसैं, जैसे चौपट राज।।'

उपर्युक्त काव्यात्मक संवाद 'महंत' एवं गुरु दोनों का है जो 'अन्धेर नगरी' नाटक से उद्धृत है। अन्धेर नगरी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा 1881 ई. में रचित एक प्रहसन है। इसमें राजा की मूर्खता, अन्याय और अंधेरगर्दी पर तीखा व्यंग्य किया गया है। 'अन्धेर नगरी' नाटक में महंत, गोवर्धनदास, राजा, मंत्री प्रमुख केन्द्रीय पात्र हैं। अन्धेर नगरी नाटक में कुल छः अंक है जिसे दृश्यों के नाम से सम्बोधित किया गया है।

74. निम्नलिखित वाक्य किस कहानी से लिया गया है- 'खून का वह आखिरी कतरा जो वतन की हिफाजत में गिरे दुनिया की सबसे अनमोल चीज़ है'?

(a) आहुति (b) दुनिया का सबसे अनमोल रतन
(c) सुभागी (d) मंत्र

Ans. (b) : 'खून का वह आखिरी कतरा जो वतन की हिफाजत में गिरे दुनिया की सबसे अनमोल चीज़ है' उपर्युक्त कथन 'दुनिया का सबसे अनमोल रतन' कहानी से उद्धृत है। यह कहानी प्रेमचन्द की है। यह कानपुर की एक उर्दू पत्रिका 'जमाना' में 1907 ई. में प्रकाशित हुई। तत्पश्चात यह कहानी 'सोजे वतन' प्रेमचन्द की कहानी संग्रह में भी संकलित की गयी। कहानी में एक ऐसे सच्चे प्रेमी का जिक्र है जो कि अपनी प्रेमिका को अपने रूप रंग से नहीं बल्कि कुछ भी कर गुजरने के जज़्बे से अपनी ओर आकर्षित करता है।

कहानी के प्रमुख पात्र–

दिल फ़िगार (पुरुष पात्र)- कहानी का मुख्य पात्र- जो कि दिलफरेब से बेपरवाह प्रेम करता है। वह अपने प्रेम को सिद्ध करने के लिए कुछ भी करने को तैयार है।

दिल फरेब (नारी पात्र)- एक बेहद खूबसूरत स्त्री और कहानी की मुख्य नारी पात्र।

75. 'अन्धा युग' के संबंध में कौन-से विचार सही हैं?

1. यह महाभारत के अठारहवें दिन की कथा पर आधारित है।
2. आधुनिक भावबोध को रूपायित करने वाले नाटकों में अंधायुग विशेष रूप से उल्लेखनीय है।
3. इसमें बहिर्द्वन्द्व और अन्तर्द्वन्द्व दोनों विकराल रूप में मौजूद हैं।
4. 'अंधायुग' आधुनिक त्रासदी को व्यक्त नहीं करता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 2 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 1 और 2

Ans. (b) : आधुनिक भावबोध को रूपायित करने वाले नाटकों में अंधायुग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसमें बहिर्द्वन्द्व और अन्तर्द्वन्द्व दोनों विकराल रुप से मौजूद हैं। यह दोनों कथन 'अंधायुग' के सम्बन्ध में सही है। अंधायुग, धर्मवीर भारती द्वारा रचित हिन्दी काव्य नाटक है। इस गीतिनाट्य का प्रकाशन सन् 1955 ई. में हुआ था। इसका कथानक महाभारत युद्ध के अन्तिम दिन पर आधारित है। इसमें युद्ध और उसके बाद की समस्याओं और मानवीय महत्वाकांक्षा को प्रस्तुत किया गया है। प्रमुख पात्र हैं जैसे- अश्वत्थामा, गान्धारी, धृतराष्ट्र, कृतवर्मा, संजय, वृद्ध याचक, प्रहरी-1, व्यास, विदुर, युधिष्ठिर, कृपाचार्य, युयुत्सु, गूँगा भिखारी, प्रहरी-2, बलराम, कृष्ण इत्यादि।

76. निम्नलिखित में से 'अभिज्ञान' का संबंध किससे है?

(a) कथानक (b) चरित्र
(c) अभिनय (d) गीत

Ans. (a) : अभिज्ञान का सम्बन्ध 'कथानक' से है। 'अभिज्ञान' शब्द अरस्तू की मान्यता में आया हुआ है। यह शब्द यूनानी भाषा के 'अनग्नोरिसिस (Anagnorisis) का हिन्दी अनुवाद है। अभिज्ञान का शाब्दिक अर्थ होता हैं ज्ञान की परिणति। अभिज्ञान दुखान्तक के अन्तर्गत कथानक में पात्रों के मन में प्रेम अथवा घृणा का भाव जागृत करता है।

77. कमलेश्वर ने 'नयी कहानी' के बारे में क्या कहा है?

1. नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है।
2. उसमें विभिन्न स्तरों पर आज के यथार्थ को ही पकड़ने की चेष्टा है।
3. उसका केन्द्रीय पात्र है जीवन को वहन करने वाला व्यक्ति।
4. व्यक्ति के मन के राग-विराग की अभिव्यक्ति होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 3 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (c) : कमलेश्वर का 'नयी कहानी' के सन्दर्भ में कथन है- नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है तथा उसका केन्द्रीय पात्र है जीवन को वहन करने वाला व्यक्ति।

'नयी कहानी' नाम का दुष्यन्त कुमार ने सर्वप्रथम प्रयोग किया था। नयी कहानी का जन्म 1956 ई. से माना जाता है। नयी कहानी के प्रवर्तक राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, कमलेश्वर माने जाते हैं। नयी कहानी में 'भोगे हुए यथार्थ' पर अधिक प्रकाश डाला गया है। पूर्ववर्ती कहानियाँ पूर्वाग्रह से युक्त होती थीं लेकिन नई कहानियाँ किसी भी तरह के पूर्वाग्रह से मुक्त थी। नयी कहानी पर सार्त्र के 'अस्तित्ववाद' का प्रभाव दिखायी देता है।

78. जन्म वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम है–

1. रामदरश मिश्र
2. विवेकी राय
3. बालमुकुंद गुप्त
4. अध्यापक पूर्णसिंह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए:

(a) 2, 3, 4, 1 (b) 3, 4, 1, 2
(c) 1, 3, 4, 2 (d) 4, 2, 3, 1

Ans. (b) : जन्म वर्ष के अनुसार रचनाकारों का सही क्रम-

रचनाकार	जन्म	मृत्यु
बालमुकुन्द गुप्त	- 1865 ई.	- 1907 ई.
अध्यापक पूर्ण सिंह	- 1881 ई.	- 1939 ई.
रामदरश मिश्र	- 1924 ई.	
विवेकी राय	- 1924 ई.	- 2016 ई.

79. निम्नलिखित में से किस काव्यधारा में सहज भोग मार्ग से जीव को 'महासुख' की ओर उन्मुख किया गया है?

(a) सिद्ध-साहित्य (b) जैन-साहित्य
(c) नाथ-साहित्य (d) लौकिक-साहित्य

Ans. (a) : 'सिद्ध साहित्य' में सहज भोग मार्ग से जीव को महासुख की ओर उन्मुख किया गया है। सिद्ध-साहित्य में सिद्धों में पंचमकार (मांस, मछली, मदिरा, मुद्रा, मैथुन) की दुष्प्रवृत्ति देखने को मिलती है। साधना पद्धति में शिव-शक्ति के युगल रूप की उपासना की जाती है। सिद्धों का चरम उत्कर्ष काल आठवीं से दसवीं शताब्दियों के मध्य था। सिद्धों के विषय में सबसे पहली जानकारी ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना 'वर्णरत्नाकर' से मिलती है।

सिद्ध साहित्य की विशेषताएँ-

1. जीवन की सहजता और स्वाभाविकता में दृढ विश्वास
2. गुरु महिमा का प्रतिपादन
3. बाह्याडम्बरों, पाखण्डों की कटु आलोचना
4. रहस्यात्मक अनुभूति
5. जनभाषा का प्रयोग।

80. निम्नलिखित में से पुस्तक और लेखक का सही मेल है-

1. केशव की काव्यकला – सत्येंद
2. गुप्त की कला – कृष्णशंकर शुक्ल
3. पद्माकर की काव्यसाधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
4. प्रसाद की काव्यसाधना – रामनाथलाल 'सुमन'

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (c) : पुस्तक और लेखक का सही सुमेलन है–

पुस्तक		लेखक
केशव की काव्यकला	–	कृष्णशंकर शुक्ल
गुप्त की कला	–	सत्येंद
पद्माकर की काव्यसाधना	–	अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
प्रसाद की काव्यसाधना	–	रामनाथलाल 'सुमन'

81. जगदीश चन्द्र कृत उपन्यास 'धरती धन न अपना' की अंतर्वस्तु निम्नलिखित में से किस विषय पर आधारित है?

(a) पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि में दलित जीवन की कथा
(b) देश-विभाजन के बाद पंजाबी शरणार्थियों की समस्या
(c) वायलिन और बन्दूक, संगीत और युद्ध का द्वन्द्व
(d) युद्ध और प्रेम

Ans. (a) : 'पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि में दलित जीवन की कथा' को जगदीश चन्द्र कृत उपन्यास 'धरती धन न अपना' में चित्रित किया गया है। जगदीश चन्द्र एक प्रगतिवादी उपन्यासकार हैं। इनका उपन्यास 'धरती धन न अपना' (1972 ई.) में प्रकाशित हुआ। इनके अन्य उपन्यास- यादों का पहाड़ (1966 ई.), आधा पुल (1973 ई.), कभी न छोड़े खेत (1976 ई.), मुट्ठी भर काँकर (1976 ई.), टुंडा लाट (1978 ई.), नरक कुण्ड में वास (1994 ई.) आदि हैं।

82. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. लहनासिंह	1. चीफ की दावत
B. पीरबख्श	2. परिन्दे
C. लतिका	3. परदा
D. शामनाथ	4. उसने कहा था

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2	(d)	4	3	2	1

Ans. (d) : विकल्पगत पात्र एवं कहानियों का सही सुमेलन है–

पात्र	कहानी	कहानीकार
लहनासिंह	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पीरबख्श	परदा	यशपाल
लतिका	परिन्दे	निर्मल वर्मा
शामनाथ	चीफ की दावत	भीष्म साहनी

83. बकरी नाटक से संबंधित सही तथ्य कौन-से है?

1. यह स्वातंत्रोत्तर हिन्दी व्यंग्य नाटकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
2. इनका कथ्य बिखरा हुआ नहीं है।
3. इसके गीत साधारण कोटि के है।
4. इसमें नौटंकी शैली का प्रयोग किया गया है।

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) 1 और 3 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : 'बकरी' नाटक स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य नाटकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसमें नौटंकी शैली का प्रयोग किया गया है। दोनों कथन 'बकरी' नाटक से सम्बन्धित सही तथ्य है। 'बकरी' नाटक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कृति है। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जनवादी नाटककार है। इनके नाटक लोक नाट्य शैली में आबद्ध है। इनके तीन नाटक- 'बकरी' (1974 ई.), 'लड़ाई' (1979 ई.) और 'अब गरीबी हटाओ' हैं। 'बकरी' नाटक 1975 ई. में आपातकाल से एक वर्ष पहले प्रकाशित हुआ। इसमें दो अंक है, और प्रत्येक अंक में तीन-तीन दृश्य हैं। इस नाटक की रचना उत्तर प्रदेश की नौटंकी शैली में हुई है। इस नाटक में जनवादी चेतना, राजनीतिक व्यंग्य, आम आदमी की व्यथा, भ्रष्टाचार और विसंगति का चित्रण है।

84. 'अंधा युग' युयुत्सु की चिन्ता क्या है?
(a) अन्याय का प्रतिकार
(b) पांडव-पक्ष में चले जाने को लेकर पश्चात्ताप
(c) मानव-भविष्य की रक्षा
(d) शाप-मुक्ति

Ans. (c) : 'अंधायुग' में युयुत्सु की चिंता मानव-भविष्य की रक्षा है। 'अंधायुग' (1954 ई.) नाटक डॉ. धर्मवीर भारती का है। इसमें महाभारत के अवसान के बाद की स्थिति का चित्रण पाया जाता है। इसके पात्र महाभारत कालीन हैं। कृष्ण, अश्वत्थामा, युयुत्सु, संजय, गांधारी, कृपाचार्य आदि पात्र महाभारत से ही लिए गये हैं।

85. घनानंद की कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं पाई जाती है?
(a) भाषा की लाक्षणिकता
(b) भाषा की व्यंजकता
(c) उक्ति वैचित्र्य
(d) संध्या भाषा

Ans. (d) : घनानन्द की कविता में संध्या भाषा की विशेषता नहीं पायी जाती है। घनानन्द की कविता में लौकिक प्रेम तथा विरह वर्णन की सर्वोपरि विशेषता पायी जाती है। इनकी कविता में भाषा की लाक्षणिकता, भाषा की व्यंजकता तथा उक्ति वैचित्य की विशेषता पायी जाती है। घनानन्द की कविता की एक विशेषता घनानन्द द्वारा प्रयुक्त मर्मोक्तियाँ भी हैं।

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A : कविता मनुष्य के हृदय को शुद्ध करती है।
कारण R : मनुष्य के हृदय की प्रकृत अवस्था कविता से संभव है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए:
(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं है लेकिन R सही है।

Ans. (a) : कविता मनुष्य के हृदय को शुद्ध करती है क्योंकि मनुष्य के हृदय की प्रकृत अवस्था कविता से संभव है। अतः कथन (A) और कारण (R) दोनों सही और R, A की सही व्याख्या है।

87. 'अरे यायावर रहेगा याद' में सम्मिलित हैं:
1. माझुली
2. धरती का धनी
3. बीसवीं सदी का बाणभट्ट
4. बहता पानी निर्मला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : 'अरे यायावर रहेगा याद' यात्रा वृतान्त है जिसके लेखक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' हैं। इसके अन्तर्गत सम्मिलित यात्रा वृत्तान्त निम्नलिखित हैं- परशुराम से तूरखम, किरणों की खोज में, देवताओं के अंचल में, मौत की घाटी में, एलुरा, माझुली, बहता पानी निर्मला।

88. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों का सही अनुक्रम है–
1. उदिता
2. चाँद का मुँह टेढ़ा है
3. चिंता
4. संसद से सड़क तक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए
(a) 4, 2, 1, 3 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 1, 4 (d) 3, 2, 4, 1

Ans. (d) : काव्य ग्रन्थों का सही अनुक्रम है- चिन्ता (1924 ई.) – अज्ञेय, चाँद का मुँह टेढ़ा है (1964 ई.) – गजानन माधव 'मुक्तिबोध', संसद से सड़क तक (1972 ई.) – सुदामा पाण्डेय धूमिल, उदिता (1980 ई.) – शमशेर बहादुर सिंह।

89. निम्नलिखित में से कौन 'ईदगाह' कहानी के पात्र नहीं हैं?
1. जुम्मन शेख
2. महमूद
3. भजनसिंह
4. मोहसिन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (b) : जुम्मन शेख और भजनसिंह 'ईदगाह' कहानी के पात्र नहीं हैं। 'ईदगाह' कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं। इसके पात्र हैं– अमीना (दादी), हामिद (पोता), मोहसिन (दोस्त), महमूद (दोस्त), नूरे (दोस्त), शम्मी (दोस्त)। 'जुम्मन शेख' पंचपरमेश्वर कहानी का पात्र है।

90. 'नागमती-वियोग खंड' से संबंधित सही तथ्य हैं–

1. यह बारहमासा शैली में लिखा गया है।
2. बारहमासा की शुरुआत जायसी ने की।
3. जायसी ने 'जेठ-असाढ़ी' नामक तेरहवें महीने का उल्लेख किया है।
4. नागमती के आँसुओं से सारी सृष्टि भीगी हुई जान पड़ती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (c) : मलिक मुहम्मद जायसी कृत 'पद्मावत' महाकाव्य में नागमती के विरह-विदग्ध हृदय की संवेदनशीलता का उत्कर्ष देखने को मिलता है। नागमती विरह-वर्णन में जैसे व्यथा स्वयं ही मुखरित होने लगती है। नागमती-वियोग खण्ड में बारहमासा वर्णन के साथ-साथ नागमती के आँसुओं से सारी सृष्टि भीगी जान पड़ती है।

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

यदि किसी देश का बाह्य रूप सम्मान योग्य तथा सुन्दर नहीं बन सका है, तो समझना चाहिए कि उस राष्ट्र की आत्मा में एक उच्च जगत् का निर्माण किया जाना शुरू नहीं हुआ है, अर्थात् वहाँ सच्चे साहित्य के निर्माण का श्रीगणेश नहीं हुआ है। साहित्य ही मनुष्य को भीतर से सुसंस्कृत और उन्नत बनाता है और तभी उसका बाह्य रूप भी साफ और स्वस्थ दिखायी देता है और साथ ही बाह्य रूप के साफ और स्वस्थ होने से आन्तरिक स्वास्थ्य का भी आरम्भ होता है। दोनों ही बातें अन्योन्याश्रित हैं। जबकि हमारे देश में नाना भाँति के कुसंस्कार और गन्दगी वर्तमान हैं, जबकि हमारे समाज का आधा अंग परदे में ढका हुआ है, हमारी नब्बे फीसदी जनता अज्ञान के मलबे के नीचे दबी हुई है, तब हमें मानना चाहिए कि अभी दिल्ली बहुत दूर है। हम साहित्य के नाम पर जो कुछ कर रहे हैं और जो कुछ दे रहे हैं, उसमें कहीं बड़ी भारी कमी रह गयी है। हमारा भीतर और बाहर अब भी साफ-स्वस्थ नहीं है। साहित्य की साधना तब तक बन्ध्य ही रहेगी जब तक हम पाठकों में एक ऐसी अदमनीय आकांक्षा जाग्रत न कर दें, जो सारे मानव-समाज को भीतर से और बाहर से सुन्दर तथा सम्मान-योग्य देखने के लिए सदा व्याकुल रखे। अगर यह आकांक्षा जाग्रत हो सकी तो हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार उन सामग्रियों को जरूर संग्रह कर लेगा, जो उक्त इच्छा की पूर्ति की सहायक हैं। अगर यह आकांक्षा जाग्रत नहीं हुई तो कितनी भी विद्या क्यों न पढ़ी हो, वह एक जंजाल मात्र सिद्ध होगी और दुनियादारी और चालाकी का ढकोसला ही बनी रहेगी। जो साहित्यिक निष्ठा के साथ इच्छा को लेकर रास्ते पर निकल पड़ेगा, वह स्वयं अपना रास्ता खोज निकालेगा। साधन की अल्पता से कोई महती इच्छा आज तक नहीं रुकी है। भूख होनी चाहिए।

91. हमारा वर्तमान साहित्य–

(a) व्यक्ति समाज और देश की आवश्यकताओं के अनुरुप है।
(b) सर्वतोभावेन पूर्ण है।
(c) अज्ञानता और कुसंस्कार दूर करने में सहायक है।
(d) सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है।

Ans. (d) : हमारा वर्तमान साहित्य सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है क्योंकि हम साहित्य के नाम पर जो कुछ कर रहे हैं और जो कुछ दे रहे हैं, उसमें कहीं बड़ी भारी कमी रह गयी है। हमारा भीतर और बाहर अब भी साफ-स्वच्छ नहीं है। सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने के लिए दुनियादारी और चालाकी का ढकोसला छोड़ना होगा। सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने के लिए समाज के हर व्यक्ति के अन्दर निष्ठा के साथ इच्छा का भी होना जरुरी है।

92. किसी देश और उसके नागरिकों का चरित्र-निर्माण तभी संभव है, जब–

(a) उस देश के लोग सच्चरित्र हो
(b) उस देश में सत्साहित्य हो
(c) उस देश के लोग ज्ञानी हो
(d) उस देश में चरित्र निर्माण के प्रभूत साधन मौजूद हो।

Ans. (b) : किसी देश और उसके नागरिकों का चरित्र निर्माण तभी संभव है, जब उस देश में सत्साहित्य हो क्योंकि साहित्य ही मनुष्य को भीतर से सुसंस्कृत और उन्नत बनाता है और तभी उसका बाह्य रूप भी साफ और स्वच्छ दिखायी देता है।

93. अदम्य आकांक्षा के बिना–

(a) जीवन संभव नहीं है।
(b) विद्या व्यर्थ है और साहित्यिक निष्ठा के साथ रास्ते की खोज संभव नहीं है।
(c) रास्ते की तलाश संभव है, भले ही साधन सीमित हों।
(d) दुनिया के जंजाल से मुक्ति संभव है।

Ans. (b) : अदम्य आकांक्षा के बिना विद्या व्यर्थ है और साहित्यिक निष्ठा के साथ रास्ते की खोज संभव नहीं है क्योंकि साहित्य की साधना तब तक बन्ध्य रहेगी जब तक हम पाठकों में एक ऐसी अदमनीय आकांक्षा जाग्रत न कर दें, जो सारे मानव-समाज को भीतर से और बाहर से सुन्दर तथा सम्मान-योग्य देखने के लिए सदा व्याकुल रखे। अगर वह आकांक्षा जाग्रत हो सकी तो हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार उन सामग्रियों को अवश्य संग्रह कर लेगें जो उक्त इच्छा की पूर्ति की सहायक है।

94. इस अनुच्छेद में वर्णित अन्योन्याश्रित बातों का मूल है–

(a) साहित्य के द्वारा मनुष्य को अंतर्बाह्य सुसंस्कृत और उन्नत बनाना।
(b) साहित्य के द्वारा मनुष्य के आन्तरिक गुणों का विकास संभव नहीं है।
(c) मनुष्य के अन्तर्बाह्य संस्कार और स्वास्थ्य के लिए साहित्येतर साधन आवश्यक हैं।
(d) मनुष्य के बाह्य रूप को सुन्दर और स्वस्थ बनाना।

Scanned with CamScanner

Easy Notes 4u Online Study

Ans. (a) : अन्योन्याश्रित बातों का मूल है- साहित्य के द्वारा मनुष्य को अंतर्बाह्य सुसंस्कृत और उन्नत बनाना क्योंकि हमारे देश में नाना भाँति के कुसंस्कार और गन्दगी वर्तमान है, जबकि हमारे समाज का आधा अंग परदे से ढका हुआ है।

95. साहित्य-साधना की अनुर्वरता का कारण है–

(a) देश के निवासियों में अच्छी शिक्षा और संस्कार के प्रति अदम्य इच्छा और अध्यवसाय का अभाव।

(b) देश से पहले कुछ मनुष्यों को संस्कार देकर अपने कर्तव्यों की इति समझ लेना।

(c) समाज में व्याप्त पर्दा प्रथा।

(d) सभी नागरिकों को अच्छी शिक्षा देना।

Ans. (a) : साहित्य-साधना की अनुर्वरता का कारण है- देश के निवासियों में अच्छी शिक्षा और संस्कार के प्रति अदम्य इच्छा और अध्यवसाय का अभाव। किसी देश का निवासी साहित्यिक निष्ठा के साथ इच्छा को लेकर साहित्य-साधना के पथ पर निकल पड़ेगा, जिससे वह स्वयं अपना रास्ता खोज निकालेगा। साहित्य-साधना की अनुर्वरता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को ऐसा करना पड़ेगा।

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त सामग्री से भावना या कल्पना उनकी योजना करती है। अतः यह कहा जा सकता है कि ज्ञान ही भावों के संचार के लिए मार्ग खोलता है। ज्ञान-प्रसार के भीतर ही भाव प्रसार होता है। आरंभ में मनुष्य की चेतन सत्ता अधिकतर इन्द्रियज ज्ञान की समष्टि के रूप में ही रही। फिर ज्यों-ज्यों अंतःकरण का विकास होता गया और सभ्यता बढ़ती गई त्यों-त्यों मनुष्य का ज्ञान बुद्धि व्यवसायात्मक होता गया। अब मनुष्य का ज्ञान क्षेत्र बुद्धि-व्यवसायात्मक या विचारात्मक होकर बहुत ही विस्तृत हो गया है। अतः उसके विस्तार के साथ हमें अपने हृदय का विस्तार भी बढ़ाना पड़ेगा। विचारों की क्रिया से, वैज्ञानिक विवेचन और अनुसंधान द्वारा उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष का मूर्त और सजीव चित्रण भी- उसका इस रूप में प्रत्यक्षीकरण भी कि वह हमारे किसी भाव का आलंबन हो सके-कवियों का काम और उच्च काव्य का एक लक्षण होगा।

96. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष का मूर्त और सजीव चित्रण उच्च काव्य का प्रधान लक्षण होगा।

(b) विचारों की क्रिया से परिस्थितियों के मर्मस्पर्शी मूर्त और सजीव पक्ष पर विशेष जोर देना।

(c) अनुसंधान, नये विचार और वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित मार्मिक परिस्थितियों के मूर्त और सजीव चित्र को कवि को अपने काव्य के एक लक्षण के रूप में शामिल करना होगा।

(d) आधुनिक अनुसंधान द्वारा उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष को कविता में अधिक स्थान देना होगा।

Ans. (c) : अनुसंधान नये विचार और वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित मार्मिक परिस्थितियों के मूर्त और सजीव चित्र को कवि को अपने काव्य के एक लक्षण के रूप में शामिल करना होगा क्योंकि मनुष्य अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा ही भाव या कल्पना की योजना बनाता है तथा ज्ञान-प्रसार के भीतर ही भाव-प्रसार भी होता है।

97. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) भावना या कल्पना ज्ञानेन्द्रियों से प्राप्त सामग्री को संयोजित करती है।

(b) भाव-व्यापार से ज्ञान-व्यापार संचालित होता है।

(c) नये विचारों, वैज्ञानिक विवेचनों के परिप्रेक्ष्य में कवि को अपनी सर्जना-शक्ति को समृद्ध करना आवश्यक है।

(d) भाव का प्रसार ज्ञान के प्रसार के भीतर है।

Ans. (b) : भाव-व्यापार से ज्ञान-व्यापार संचालित होता है उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है।

98. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) आधुनिक युग में विचारों के विस्तार के साथ हृदय के विस्तार की कोई आवश्यकता नहीं है।

(b) हमारे जमाने में अपने विचारों के विस्तार के साथ हृदय का विस्तार करना आवश्यक है।

(c) विचारों और भावों के विस्तार की आवश्यकता जीवन में है, काव्य में नहीं।

(d) विचारों और भावों के विस्तार का प्रभाव काव्य पर असंभव है।

Ans. (b) : हमारे जमाने में अपने विचारों के विस्तार के साथ हृदय का विस्तार करना आवश्यक है, क्योंकि आज के मनुष्य का ज्ञान क्षेत्र बुद्धि-व्यवसायात्मक या विचारात्मक होकर बहुत ही विस्तृत हो गया है। अतः उसके विस्तार के साथ हमें अपने हृदय का विस्तार भी बढ़ाना पड़ेगा।

99. प्रस्तुत अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) ज्ञान-प्रसार और भाव-प्रसार परस्पर संबंधित हैं।

(b) ज्ञान-प्रसार के दायरे से भाव-प्रसार परे है।

(c) ज्ञान-प्रसार के भीतर भाव-प्रसार होता है।

(d) ज्ञान की स्थिति भाव की स्थिति की पूर्ववर्ती है।

Ans. (b) : ज्ञान-प्रसार के दायरे से भाव-प्रसार परे है, यह कथन गलत है। शेष तीनों कथन सही हैं।

100. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) सभ्यता के बढ़ने के साथ मनुष्य के भाव अधिक व्यापक हो गये हैं।

(b) सभ्यता के बढ़ने के साथ मनुष्य की बुद्धि और भाव दोनों का क्षय हो गया है।

(c) सभ्यता के विकास के साथ हमें सिर्फ बुद्धि की जरूरत रह गयी है।

(d) सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य के विचार अधिक व्यापक हो गये हैं।

Ans. (d) : सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य के विचार अधिक व्यापक हो गये हैं, क्योंकि मनुष्य के अन्तःकरण का विकास जब हुआ तो मनुष्य की सभ्यता में भी विकास हुआ और साथ-साथ मनुष्य का ज्ञान बुद्धि व्यवसायात्मक होता गया।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner